Coverage of Dheerpur wetlands

Navoday times – 6.12.2020

चार साल से थी वीरान भूमि, लौट आई रौनक

102 प्रवासी पक्षियों ने डाला डेरा

चार साल पहले अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली ने नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में एक बंजर भूमि के टुकड़े को डीडीए के साथ एक प्रोजेक्ट के तहत अधिकार में लिया था। इससे पहले यहां ड्राइविंग सीखने वाले, धार्मिक अनुष्ठान आयोजित करने वाले लोग ही पहुंचते थे। यहां अराजक तत्वों का भी जमावड़ा लगा रहता था।

लेकिन अब अम्बेडकर यूनिवर्सिटी ने इसे गीली जमीन (वेटलैंड) में बदल दिया जिससे न सिर्फ जमीन का वाटर लेवल बढ़ रहा है बल्कि यह जगह 108 प्रवासी पक्षियों का भी बसेरा बन गई है। मुखर्जी नगर, निरंकारी कॉलोनी व गांधीविहार के पास स्थित धीरपुर वेटलैंड में हल्दू, सीता अशोक, कदम, महुआ, कचनार, पीपल, रुद्राक्ष व बम्बू समेत 92 से अधिक प्रजातियों के पेड़-पौधे भी लगाए गए हैं इससे यह जगह सेल्फी स्पॉट भी बनती जा रही है। अंबेडकर यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर अर्बन इकोलॉजी एंड सस्टेनेबिलिटी (सीयूईएस) विभाग द्वारा किए जा रहे इस परिवर्तन पर सीयूईएस के डायरेक्टर सुरेश बाबू कहते हैं यह जगह 25.38 हेक्टेयर में फैली हुई है। जिसका हमारे पास 12 हेक्टेयर हिस्सा ही है। जिसे पहले चरण में 5 वर्ष के दौरान संरक्षण किया गया है। इस वेटलैंड को हमारे 8 शोधकर्ताओं ने 4-5 मालियों के साथ तैयार किया है जिसमें यूनिवर्सिटी के छात्र, दिल्ली कॉलेज व स्थानीय युवाओं का सहयोग मिला है। अब इस ग्राउंड का लोग टहलने के लिए भी इस्तेमाल कर रहे हैं। यहां सुबह 8 बजे व शाम 4 बजे से 6 बजे तक 700-800 युवा, वृद्ध, बच्चे व महिलाएं आदि टहलते देखे जा सकते हैं। यहां स्थानीय व प्रवासी पक्षियों का बसेरा है जिनमें मुख्यत: ग्रीन बी ईटर, ग्रेटर कोकल, लंबी पूंछ वाली श्रीक, ओरिएंटल मैगपाई-रोबिन, पर्पल हेरॉनस रेड अवाडेवत, रेड नेप्ड इल्बिस व शीकरा आदि पक्षी हैं। यहां पानी में सर्पों की 3 प्रजातियां व ड्रैगनफ्लाई समेत कई तरह के इंसेक्ट्स की प्रजातियां भी हैं। पीएचडी-एमफिल कर रहे विज्ञान के छात्रों के लिए यह अच्छी साइट है। यहां यूएसए से भी एक ग्रुप ने विजिट किया है।

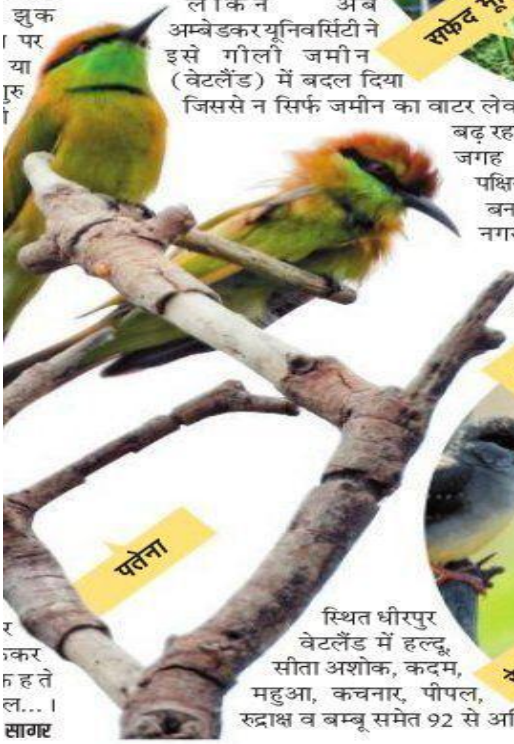

■ पुष्पेंद्र मिश्र